

रोगमुक्ति स्त्री. (तत्.) 1. रोग से छुटकारा, स्वास्थ्य लाभ 2. चिकित्सा, इलाज, उपचार।

रोगरोधिता स्त्री. (तत्.) रोग रोध्यता, रोग को रोकने की स्थिति या शक्ति, उपचार।

रोगरोधी वि. (तत्.) 1. रोग या उसके आगे बढ़ने को रोकने वाला 2. औषधि, दवाई।

रोगवर्गिकी पुं. (तत्.) 1. रोगों का व्यवस्थित वर्गीकरण 2. रोगों की जानकारी देने वाला, रोगविज्ञान। nosology

रोगविज्ञान पुं. (तत्.) 1. रोगों, शारीरिक-मानसिक विकृतियों का अध्ययन 2. रोगी अंगों, ऊतकों में उत्पन्न विकृतियों या परिवर्तनों का अध्ययन 3. चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा जिसमें ऐसा अध्ययन किया जाता है। pathology

रोगहर वि. (तत्.) आयु. 1. रोगनाशक, रोगहन, रोग दूर करने वाला 2. औषधि, औषधिशस्त्र।

रोगिया पुं. (तत्.) रोगी, बीमार, मरीज।

रोगी वि. (तत्.) बीमार, रुग्ण, मरीज, आतुर, व्याधिग्रस्त।

रोगी-वाहन पुं. (तत्.) रोगियो, घायलों को एक स्थान से दूसरे स्थान अथवा अस्पताल ले जाने वाली गाड़ी, वाहन, यान, रोगी वाहक गाड़ी ambulance

रोगोत्तर वि. (तत्.) 1. रोग ठीक होने के बाद की अवस्था, क्रिया, भाव 2. रोग अच्छा होने के बाद पूर्ण स्वस्थ होने तक।

रोगोन्मुख वि. (तत्.) 1. बीमार पड़ने की संभावना वाला, रोग की ओर प्रवृत्त 2. जिसे कोई रोग आसानी से पकड़ सके, वंशानुगत रोग प्रवृत्ति की संभावना वाला।

रोचक वि. (तत्.) 1. रुचिपूर्ण, जो अच्छा लगे, स्वादिष्ट 2. जिससे भूख बढ़े, खाना खाने की रुचि बढ़ाने वाला पुं. खाने की इच्छा, भूख।

रोचन वि. (तद्.) 1. जिससे शोभा बढ़े, प्रिय, प्रिय लगने वाला 2. लाल रंग की रोली पुं. गोरोचन, चंदन।

रोचमान वि. (तत्.) रुचिपूर्ण लगता हुआ।, मन को अच्छा लगता हुआ शोभायमान।

रोचि स्त्री. (तत्.) कांति, तेज, चमक, किरण, शोभा।

रोचित वि. (तत्.) सुशोभित, कांतियुक्त, दीप्त।

रोचिष्णु वि. (तत्.) तेजस्वी, सुशोभित, दीप्यमान, अलंकृत, क्षुधावर्धक।

रोज पुं. (तद्.) रुदन या रोना, विलाप।

रोज़ पुं. (फा.) दिन, दिवस क्रि.वि. प्रतिदिवस, हर रोज।

रोजगार पुं. (फा.) उद्यम, धंधा, काम, व्यापार, पेशा, जीविका आदि रोजगार शब्द से जाने जाते हैं, (रोजगार कार्यालय- रोजगारहीन व्यक्तियों के लिए रोजगार उपलब्ध कराने वाला सरकारी दफ्तर)।

रोजगारी वि. (फा.) रोजगार करने वाला, व्यापार करने वाला।

रोज़नामचा पुं. (फा.) 1. प्रतिदिन के कार्य का विवरण बताने वाली डायरी, वह दैनंदिनी जिसमें रोज के कार्यों, का विवरण लिखा जाए 2. रक्षा विभाग में थाना आदि में आरक्षियों द्वारा अपने कार्यों का, घटनाओं की जाँच आदि का विवरण लिखने की डायरी होती है 3. व्यापारियों के पास प्रतिदिन के लेन-देन का विवरण अंकित करने के लिए एक पंजी होती है।

रोज-ब-रोज क्रि.वि. (फा.) हर दिन, प्रत्येक दिन।

रोजमर्रा पुं. (फा.) दैनिक, प्रतिदिन का, हर रोज से संबंधित।

रोज़ा पुं. (फा.) (इस्लाम) उपवास, मुस्लिमों द्वारा रमजान के महीने में दिन भर का उपवास या व्रत मुहा. रोजा खोलना- मुस्लिमों द्वारा रमजान में दिन भर उपवास रखकर सूर्यास्त के बाद भोजन करना; रोज़ा इफ्तारना- रोजा रखने के बाद दिन भर न खाकर शाम को भोजन करना; रोजा तोड़ना- व्रत के समय में कुछ खा पी लेने से रोजा का नियम खंडित हो जाना।